मेरी अलबेली सरकार | By Brij Rasik Maharani Sakhi Ji

मेरी अलबेली सरकार हमारी सुध कब लोगी
कब लोगी सुध कब लोगी २
लाडो पड़े हैं, श्यामा पड़े हैं
प्यारी पड़े हैं तेरे द्वार हमारी सुध कब लोगी
मेरी अलबेली सरकार हमारी सुध कब लोगी

जनम जनम से भटक रहा हूँ
दरश को तेरे तरस रहा हूँ
कुछ तो बोलो सरकार हमारी सुध कब लोगी
मेरी अलबेली सरकार हमारी सुध कब लोगी

मैं तेरे चरणन की दासी
बिन दर्शन के रहत उदासी
मेरी सखियन की सरदार हमारी सुध कब लोगी
मेरी अलबेली सरकार हमारी सुध कब लोगी

अब तो नज़र कृपा की कर दो
अपनी अचल भक्ति का वर दो
महारानी करे पुकार हमारी सुध कब लोगी
मेरी अलबेली सरकार हमारी सुध कब लोगी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%85%e0%a4%b2%e0%a4%ac%e0%a5%87%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a4%b0%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-brij-rasik-maharani-sakhi-ji/